



पीयूषन स्कूल ने जयपूर में आयोजित की शहर क्षत्रीय विज

जयपुर। जयपुर में आयोजित पीयूषन शहर स्कूली विद्यार्थियों को कोई स्कूल ने जीत हासिल की है। हमें इस विद्यार्थियों को प्रतिभा और ज्ञान को प्रदानित करने का असाध है तो उन्हें के उद्देश्य से पीयूषन ने शहर स्तरीय अंतर स्कूल विवज प्रतियोगिता का आयोजन जयपुर में लाया। दूसरे बार लिया, जिसमें कक्ष 5 से 8 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगियों द्वारा के बार कोन्क्रिट की टर्म्पल के पर्व भवित्व की ओर आयोजित की गयी। सार्वक चौहान और रक्षा जेन प्रधान उपविजेता तथा आर्य गुप्त और आर्य जै द्वितीय उपविजेता यह दोनों भी कोन्क्रिट कोट्टे स्कूल के विद्यार्थी हैं। इस विवज की छात्र समूह द्वारा से अपर समर्थन मिला तथा इस प्रतियोगिता में 22 स्कूलों के 290 से ज्यादा विद्यार्थियों ने भाग लिया।

विजेताओं को आकर्षण पुरुकार प्रदान किए गए और प्रतिभागियों को प्रश्ना पत्र वितरित किए गए। लिखान विवज के बारे में पीयूषन बुपिडा के बाइस ऐसिडेन्ट स्कूल मेनेजर एड बालिकक्षन श्री हरीश दोरदेवामी ने कहा “पीयूषन विवज विद्यार्थियों को अपना उत्थाह प्रदर्शित करने का एक मंच प्रदान करता है। हम हमश छात्रों को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया गया।

करते हैं कि उन्होंने क्लास रूप में जी संखा है। उससे भी आगे जाए और दोषनुभव प्राप करें। हमें इस प्रतियोगिता में छात्रों की सरकार से अपर समर्थन मिल रहा है और हम सभी स्कूलों के आपादी हैं जिन्होंने इस प्रतियोगिता को अपना दूसरा समर्थन प्रदान किया।” इस प्रतियोगिता में कक्ष 5 से लेकर 8वीं तक के स्कूली पायथक्रान्त के सभी विद्यार्थी के बारे में प्रश्न पूछे जिवज पूछे गए। स्कूल अलावा इसमें कठु वर्तमान घटनाओं, पार्श्व भारद्वाज विजेता भोजप्रधान किए गए। सार्वक चौहान और रक्षा जेन प्रधान उपविजेता तथा आर्य गुप्त और आर्य जै द्वितीय उपविजेता यह दोनों भी कोन्क्रिट कोट्टे स्कूल के विद्यार्थी हैं। इस विवज की छात्र समूह द्वारा से अपर समर्थन मिला तथा इस प्रतियोगिता में 22 स्कूलों के 290 से ज्यादा विद्यार्थियों ने भाग लिया।

विजेताओं को आकर्षण पुरुकार प्रदान किए गए और प्रतिभागियों को प्रश्ना पत्र वितरित किए गए। लिखान विवज के बारे में पीयूषन बुपिडा के बाइस ऐसिडेन्ट स्कूल मेनेजर एड बालिकक्षन श्री हरीश दोरदेवामी ने कहा “पीयूषन विवज विद्यार्थियों को अपना उत्थाह प्रदर्शित करने का एक मंच प्रदान करता है। हम हमश छात्रों को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया गया।